प्रकाशनार्थ

पटना, 27 नवंबर। आज आद्री परिसर में बिहार सरकार के वित्त विभाग द्वारा यूनीसेफ और एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) के साथ मिलकर 'बाल बजट की तैयारी' पर चार बैचों में आयोजित एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का लक्ष्य बिहार सरकार के बाल बजट निर्माण को सुदृढ़ करना था। अभी बाल बजट दस्तावेज में 16 विभाग अपने बजट और व्यय की सूचना दे रहे हैं।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीईपीपीएफ, आद्री की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. बर्ना गांगुली ने यूनीसेफ, वित्त विभाग और आद्री द्वारा किए गए अध्ययन के मुख्य निष्कर्षों की जानकारी दी। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि बाल बजट निर्माण की प्रक्रिया में अभी भी अनेक कमजोरियां मौजूद हैं जिनको दूर करने की जरूरत है ताकि एक सशक्त दस्तावेज सामने आ सके। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम से बजट अधिकारियों को बाल बजट दस्तावेज के लिए आंकड़ों को संकलित करने में मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

तकनीकी सत्र में बिहार सरकार के वित्त विभाग के उप-सचिव श्री संजीव मित्तल ने बजट निर्माण के मूल बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि बाल बजट मुख्य बजट का हिस्सा है इसलिए हमें लेखा शीर्षों के जरिए इसके व्यय पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। वहीं, बिहार सरकार के वित्त विभाग के उप-सचिव श्री अजय ठाकुर ने बाल बजट दस्तावेज में शामिल कार्यक्रमों के प्रकार पर अपनी बातें केंद्रित रखीं। उन्होंने कहा कि कुल व्यय दर्शाने के लिए योजना और गैर योजना, दोनो प्रकार के व्ययों को शामिल किया जाना चाहिए।

यह प्रशिक्षण बिहार सरकार के कुल 16 अलग-अलग विभागों को दिया गया। कोविड-19 संबंधी सावधानियों के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम को चार बैचों में चलाना तय हुआ था ताकि शामिल होने वाले लोगों के बीच उचित दूरी बनाए रखा जा सके। इसीलिए इसके एक बैच में चार विभागों को शामिल होना था। 23 नवंबर को आयोजित पहले दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वास्थ्य, पंचायती राज, श्रम और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभागों के लोग शामिल हुए। वहीं, 25 नवंबर को आयोजित दूसरे दिन के कार्यक्रम में समाज कल्याण, कला, संस्कृति एवं युवा, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन तथा गृह विभाग के लोग शामिल हुए। इसी प्रकार, 26 नवंबर को आयोजित तीसरे दिन के कार्यक्रम में शिक्षा, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण तथा पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभागों के लोगों ने हिस्सा लिया। और आज 27 नवंबर को आयोजित अंतिम दिन के कार्यक्रम में वित्त, योजना एवं विकास, ग्रामीण विकास, बिहार शिक्षा परियोजना तथा आपदा प्रबंधन विभागों ने भागीदारी की। कार्यक्रम में संबंधित विभागों के उप-सचिवों और बजट अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

आयोजन में आद्री, पटना के श्री सुदीप पांडेय ने स्वागत भाषण किया और सीईपीपीएफ, आद्री के डॉ. रहबर अली ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

(अंजनी कुमार वर्मा)